नहीं करना पड़ेगा।
आप परमेश्वर के सर्वव्यापी प्रेम को जानें और समझें कि आप उनके लिए कितने महत्वपूर्ण हैं। आपका विश्वास हो कि वह हमेशा आपके साथ हैं और आप उनके आनन्द का अनुभव करें। आप परमेश्वर, मानवता के लिए उनके प्रेम और आपके जीवन के लिए उनकी योजना के बारे में बाइबल में और जान सकते हैं।

यीशु आपके साथ व्यक्तिगत संबंध में आना चाहते हैं और आपके जीवन का एक वास्तविक हिस्सा बनना चाहते हैं—अभी और हमेशा के लिए। वह आपके हृदय के द्वार पर खड़े हैं, यह प्रतीक्षा करते हुए कि आप द्वार खोलें और उन्हें अपने जीवन में आमंत्रित करें। (देखें प्रकाशितवाक्य 3:20)

आप यह सच्चाई से यह प्रार्थना करके कर सकते हैं:

"यीशु, कृपया मेरे सभी पाप क्षमा कर। मैं विश्वास करता हूँ कि आपने मेरे लिए प्राण दिए। मैं अपने हृदय का द्वार खोलता हूँ और आपको अपने जीवन में आमंत्रित करता हूँ। कृपया मुझे अपने प्रेम और पवित्र आत्मा से भर दें, मुझे आपको जानने में मदद करें और मुझे सत्य के मार्ग में मार्गदर्शन दें। आमीन।"

© 2022 Activated
To learn more, visit our website at: https://activated.org/en/.

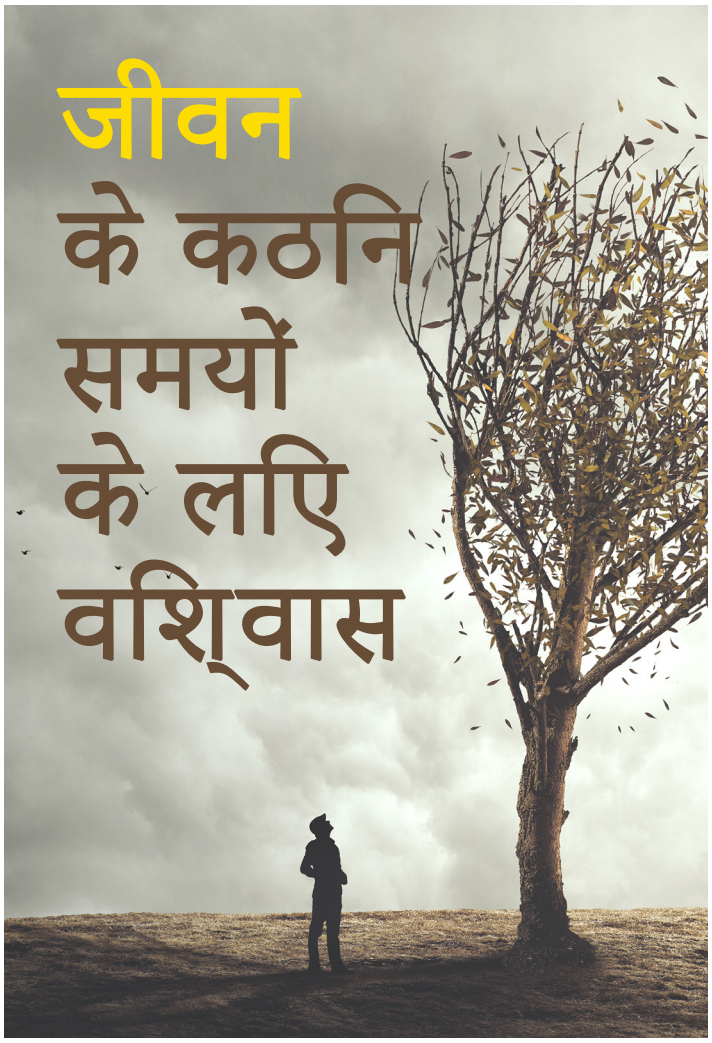

नहीं करना पड़ेगा।
आप परमेश्वर के सर्वव्यापी प्रेम को जानें और समझें कि आप उनके लिए कितने महत्वपूर्ण हैं। आपका विश्वास हो कि वह हमेशा आपके साथ हैं और आप उनके आनन्द का अनुभव करें। आप परमेश्वर, मानवता के लिए उनके प्रेम और आपके जीवन के लिए उनकी योजना के बारे में बाइबल में और जान सकते हैं।

यीशु आपके साथ व्यक्तिगत संबंध में आना चाहते हैं और आपके जीवन का एक वास्तविक हिस्सा बनना चाहते हैं—अभी और हमेशा के लिए। वह आपके हृदय के द्वार पर खड़े हैं, यह प्रतीक्षा करते हुए कि आप द्वार खोलें और उन्हें अपने जीवन में आमंत्रित करें। (देखें प्रकाशितवाक्य 3:20)

आप यह सच्चाई से यह प्रार्थना करके कर सकते हैं:

"यीशु, कृपया मेरे सभी पाप क्षमा कर। मैं विश्वास करता हूँ कि आपने मेरे लिए प्राण दिए। मैं अपने हृदय का द्वार खोलता हूँ और आपको अपने जीवन में आमंत्रित करता हूँ। कृपया मुझे अपने प्रेम और पवित्र आत्मा से भर दें, मुझे आपको जानने में मदद करें और मुझे सत्य के मार्ग में मार्गदर्शन दें। आमीन।"

© 2022 Activated
To learn more, visit our website at: https://activated.org/en/.

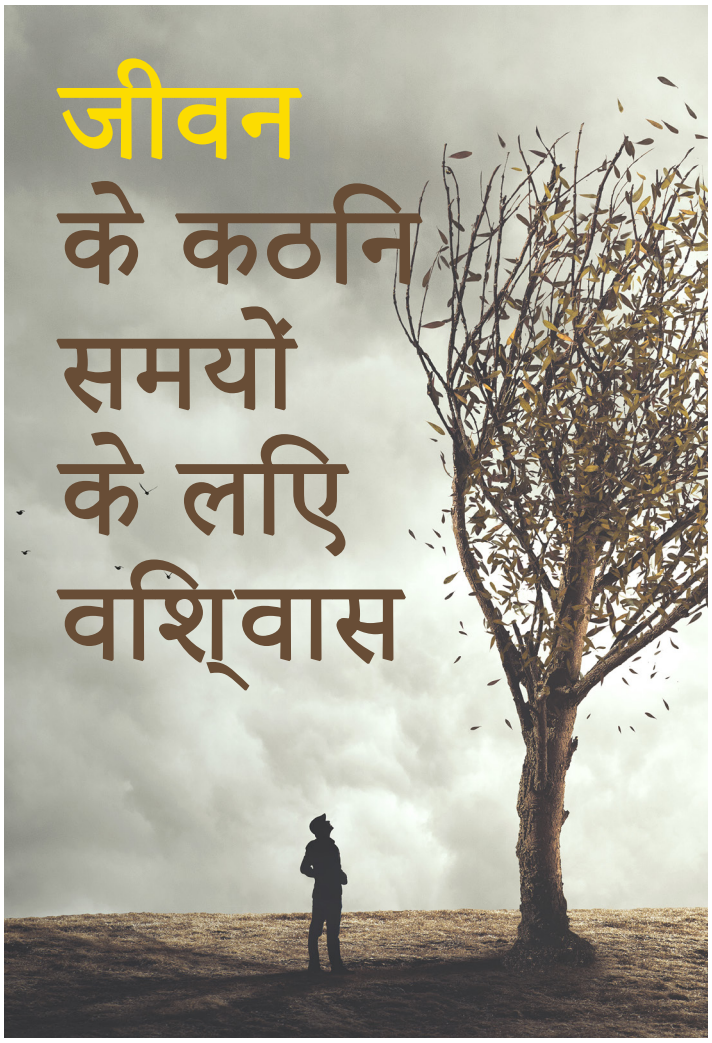

जीवन कठिन है, इसमें कोई संदेह नहीं है। लेकिन जब आपको एक दोस्त की ज़रूरत हो, तो कोई है जिस पर आप भरोसा कर सकते हैं। कोई है जो अच्छे समय में ही नहीं, बल्कि बुरे समय में भी आपके साथ रहेगा।

बाइबल में उसे इस प्रकार वर्णित किया गया है: “वह दु:ख का आदमी और पीडा से परिचित था” (यशायाह 53:3)— वह जिसने सबसे बडे कष्टों को सहा और जो आपके सबसे बुरे भावनात्मक और शारीरिक दर्द को समझता है। वह सब कुछ है जिसकी आपको एक मित्र, विश्वासपात्र, मार्गदर्शक, शिक्षक और सलाहकार में आवश्यकता होती है। वह है यीशु मसीह, परमेश्वर का पुत्र।

बाइबल कहती है: “परमेश्वर प्रेम है” (1 यूहन्ना 4:8), और उसका प्रेम अनंत है, इसकी कोई सीमा नहीं है। यह सबसे ऊँचे पर्वत से भी ऊँचा, सबसे गहरे समुद्र से भी गहरा है। यह हर जगह है, हमेशा है; यह अद्भुत और सर्वव्यापी है! लेकिन यह इतना महान है कि हम इसे पूरी तरह समझ नहीं सकते। क्योंकि परमेश्वर चाहता था कि हम इस विशाल प्रेम का अनुभव करें, उसने अपने पुत्र यीशु को पृथ्वी पर भेजा कि वह हमारे जैसे जीवन जिए और वही अनुभव करे जो हम करते हैं। हालांकि, हमारे विपरीत, यीशु दोनों परमेश्वर और मनुष्य थे।

उनका पृथ्वी पर मिशन तब पूरा हुआ जब उन्होंने क्रूस पर अत्यंत पीडादायक मृत्यु सहन की, मृतकों में से जी उठे और अपने पिता के पास स्वर्ग लौट गए। वह हमारे पापों को अपने ऊपर लेकर हमें छुडाने के लिए मरने का सर्वोच्च बलिदान देने के लिए तैयार थे। उन्होंने यह इसलिए किया ताकि हमें क्षमा मिल सके और हम जान सकें कि वह और पिता हमसे कितना महान प्रेम करते हैं।

“क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।” (यूहन्ना 3:16)
यीशु आपको व्यक्तिगत रूप से जानते हैं। वह आपका नाम जानते हैं। वह आपकी सभी समस्याओं और दिल की पीडा को जानते हैं, और आपकी मदद करना चाहते हैं। यदि आप उनसे मांगें, तो वह आपके साथ जीवन की सभी कठिनाइयों, चुनौतियों, समस्याओं, हानि और त्रासदियों से गुजरेंगे। चाहे आपकी परिस्थितियाँ कैसी भी हों, आप उस सांत्वना और आशा का अनुभव कर सकते हैं जो वह देते हैं।

यदि आप अपना हृदय उनके लिए खोलते हैं और उन्हें अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाते हैं, तो वह आपको जीवन में मार्गदर्शन करेंगे। चाहे परिस्थितियाँ कितनी भी कठिन क्यों न हों, आप जान सकते हैं कि वह आपके साथ हैं। परमेश्वर हमेशा बुरी चीज़ों को हटा नहीं देता, लेकिन वह आपको हर कठिनाई से गुजरने में मदद कर सकता है।

जब आप उनके साथ इस जीवन से गुजरेंगे, तो आप अगले जीवन में स्वर्ग में भी उनके साथ चलते रहेंगे! आप एक सबसे सुंदर स्थान में प्रवेश करेंगे, जहाँ आप सदा आनन्द और शान्ति के साथ रहेंगे। वहाँ प्रेम और न्याय का राज्य होगा, और आपको कभी भी कष्ट, अन्याय या गरीबी का सामना

जीवन कठिन है, इसमें कोई संदेह नहीं है। लेकिन जब आपको एक दोस्त की ज़रूरत हो, तो कोई है जिस पर आप भरोसा कर सकते हैं। कोई है जो अच्छे समय में ही नहीं, बल्कि बुरे समय में भी आपके साथ रहेगा।

बाइबल में उसे इस प्रकार वर्णित किया गया है: “वह दु:ख का आदमी और पीडा से परिचित था” (यशायाह 53:3)— वह जिसने सबसे बडे कष्टों को सहा और जो आपके सबसे बुरे भावनात्मक और शारीरिक दर्द को समझता है। वह सब कुछ है जिसकी आपको एक मित्र, विश्वासपात्र, मार्गदर्शक, शिक्षक और सलाहकार में आवश्यकता होती है। वह है यीशु मसीह, परमेश्वर का पुत्र।

बाइबल कहती है: “परमेश्वर प्रेम है” (1 यूहन्ना 4:8), और उसका प्रेम अनंत है, इसकी कोई सीमा नहीं है। यह सबसे ऊँचे पर्वत से भी ऊँचा, सबसे गहरे समुद्र से भी गहरा है। यह हर जगह है, हमेशा है; यह अद्भुत और सर्वव्यापी है! लेकिन यह इतना महान है कि हम इसे पूरी तरह समझ नहीं सकते। क्योंकि परमेश्वर चाहता था कि हम इस विशाल प्रेम का अनुभव करें, उसने अपने पुत्र यीशु को पृथ्वी पर भेजा कि वह हमारे जैसे जीवन जिए और वही अनुभव करे जो हम करते हैं। हालांकि, हमारे विपरीत, यीशु दोनों परमेश्वर और मनुष्य थे।

उनका पृथ्वी पर मिशन तब पूरा हुआ जब उन्होंने क्रूस पर अत्यंत पीडादायक मृत्यु सहन की, मृतकों में से जी उठे और अपने पिता के पास स्वर्ग लौट गए। वह हमारे पापों को अपने ऊपर लेकर हमें छुडाने के लिए मरने का सर्वोच्च बलिदान देने के लिए तैयार थे। उन्होंने यह इसलिए किया ताकि हमें क्षमा मिल सके और हम जान सकें कि वह और पिता हमसे कितना महान प्रेम करते हैं।

“क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।” (यूहन्ना 3:16)
यीशु आपको व्यक्तिगत रूप से जानते हैं। वह आपका नाम जानते हैं। वह आपकी सभी समस्याओं और दिल की पीडा को जानते हैं, और आपकी मदद करना चाहते हैं। यदि आप उनसे मांगें, तो वह आपके साथ जीवन की सभी कठिनाइयों, चुनौतियों, समस्याओं, हानि और त्रासदियों से गुजरेंगे। चाहे आपकी परिस्थितियाँ कैसी भी हों, आप उस सांत्वना और आशा का अनुभव कर सकते हैं जो वह देते हैं।

यदि आप अपना हृदय उनके लिए खोलते हैं और उन्हें अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाते हैं, तो वह आपको जीवन में मार्गदर्शन करेंगे। चाहे परिस्थितियाँ कितनी भी कठिन क्यों न हों, आप जान सकते हैं कि वह आपके साथ हैं। परमेश्वर हमेशा बुरी चीज़ों को हटा नहीं देता, लेकिन वह आपको हर कठिनाई से गुजरने में मदद कर सकता है।

जब आप उनके साथ इस जीवन से गुजरेंगे, तो आप अगले जीवन में स्वर्ग में भी उनके साथ चलते रहेंगे! आप एक सबसे सुंदर स्थान में प्रवेश करेंगे, जहाँ आप सदा आनन्द और शान्ति के साथ रहेंगे। वहाँ प्रेम और न्याय का राज्य होगा, और आपको कभी भी कष्ट, अन्याय या गरीबी का सामना